1 ईरला नं0 : .....
नाम : श्री मोहम्मद अकील (भापुसे)
रैंक : उपमहानिरीक्षक फिरोजपुर
यूनिट : फिरोजपुर सीमा सुरक्षा बल

13 मार्च 1993 को पुलिस थाना क्षेत्र झांसा के पिपली माजरा गांव में आतंकवादियों के होने की पुख्ता खबर पर कार्रवाई करते हुए श्री अकील ने अदम्य साहस और अनूठी कर्तव्यपरायणता का परिचय देते हुए तीन दुर्दान्त आतंकवादियों को मार गिराया। इस अभियान की सफलता के लिए श्री अकील को वीरता के पुलिस पदक से अलंकृत किया गया ।

2 इरला नं0–

नाम– श्री आर सी सक्सेना

रैंक – उप महानिरीक्षक

यूनिट– सी0सु0बल गुरूदासपुर

18 फरवरी 1997, माटीपुर में आतंकवादियों के विरूद्ध एक मुठभेड़ में श्री आर सी सक्सेना (तब कमांडेण्ट) के नेतृत्व में सीसुबल की टुकड़ी ने एक दुर्दांत आतंकवादी को मार गिराया और तीन अन्य आतंकवादियों को गिरफ्तार किया । अपनी जान जोखिम में डालने वाले श्री आर सी सक्सेना का वीरता के लिए पुलिस पदक से सम्मान किया गया ।

3 इरला नं0 –

नाम– श्री एम एस राठौड़

रैंक – कमांडेण्ट

यूनिट–43 बटालियन सीसुबल

07 जनवरी 2005, श्रीनगर में आयकर इमारत पर हुए आत्मघाती हमले को अपनी जान पर जोखिम लेकर श्री एम एस राठौड़, कमांडेण्ट ने बहादुरी से निष्फल कर दिया । अदम्य साहस का परिचय देने वाले श्री एम एस राठौड़ को वीरता के लिए पुलिस पदक से अलंकृत किया गया ।

4 इरला नं0 –

नाम– श्री एम एस राठौड

रैंक – कमांडेण्ट

यूनिट– 43 बटालियन सीसुबल

27 अगस्त 2003 मुख्यमंत्री निवास के नजदीक ग्रीन – वे होटल में 20 नागरिकों को बंधक बनाने वाले आतंकवादियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई कर दो खूंखार आतंकवादियों को मार गिराने में असीम शौर्य और उत्कृष्ट कर्तव्यपरायणता का आदर्ष स्थापित करने वाले श्री एम एस राठौड़, कमांडेण्ट को वीरता के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया ।

5 इरला नं0 –

नाम– श्री आई एस राणा

रैंक – कमांडेण्ट

यूनिट–152 बटालियन सीसुबल

07 जून 2004 को बटनूर इलाके, पुलवामा के जंगलों में आतंकवादियों से मुठभेड़ के दौरान श्री आई एस राणा, कमांडेण्ट ने गुत्थम–गुत्था की लड़ाई में एक खतरनाक आतंकवादी को मार गिराया । असीम शौर्य और साहस का परिचय देने वाले श्री आई एस राणा को वीरता के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया ।

6 नं0 : .....

नाम : श्री चन्द्रशेखर देसाई

रैंक : कमाण्डैन्ट

यूनिट : 03 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

11 अक्तूबर 1990 माहलम गांव फिरोजुर में खूंखार आतंकवादियों से मुठभेड़ के दौरान अपनी जान जोखिम में डालकर श्री चन्द्रशेखर देसाई कमांण्डैंट ने पक्के मकान में छिपे चार आतंकवादियों को मार गिराने में सफलता प्राप्त की । इस अदम्य शौर्य के लिए आपको वीरता के पुलिस पदक से सम्मानित किया गया ।

7 इरला नं0–

नाम– श्री राजेन्द्र सिंह अहलावत

रैंक – द्वितीय कमाण्ड

यूनिट– 41 बटालियन सी0सु0बल

04 जून 2001 को दुर्दान्त आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान श्री राजेन्द्र सिंह अहलावत, द्वितीय कमाण्ड, कार्यकारी कमांडेण्ट ने अनूठे साहस का परिचय देते हुए अपनी पार्टी का नेतृत्व किया । मुठभेड़ में आतंकवादियों ने श्री अहलावत पर घातक हमला किया जिससे वे बुरी तरह घायल हो गये और बाद में वीरगति को प्राप्त हुए । अपना स्र्वस्व न्यौछावर करने वाले श्री राजेन्द्र सिंह अहलावत को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान किया गया ।

8 इरला नं0 –

नाम– श्री प्रमोद कुमार

रैंक – द्वितीय कमाण्ड

यूनिट– 43 बटालियन सीसुबल

मुख्यमंत्री निवास के निकट ग्रीन –वे होटल में 27 अगस्त 2003 को आतंकवादियों के खिलाफ मुठभेड़ में अपनी जान जोखिम में डालकर दो दुर्दान्त आतंकवादियों का सफाया करने वाले श्री प्रमोद कुमार, द्वितीय कमाण्ड को उनके अदम्य साहस और अद्वितीय कर्तव्यनिष्ठा के लिए वीरता के लिए पुलिस पदक से नवाजा गया ।

9 इरला नं0–

नाम– श्री एस बी मुखर्जी

रैंक – द्वितीय कमाण्ड

यूनिट– 20 बटालियन सी0सु0बल

13 अक्टूबर 1995, बारामूला बाइपास के पास जंगल में छिपे आतंकवादियों को पकड़ने के लिए अभियान में एक आतंकवादी गिरफ्तार किया गया जिसके द्वारा मिली जानकारी पर श्री एस बी मुखर्जी द्वितीय कमाण्ड के प्रेरक नेतृत्य में सीसुबल की टुकड़ी ने चार आतंकवादियो को मार गिराया । श्री एस बी मुखर्जी को अदम्य साहस और कर्तव्यपरायणता का आदर्श स्थापित करने के लिए वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान किया गया ।

10 इरला नं0–

नाम : श्री एस एस संधू
रैंक : द्वितीय कमाण्ड अधिकारी
यूनिट : 65 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

सोपोर के संग्रामपुरा इलाके में 15 सितम्बर 1995 को आतंकवादियों के होने की विशिष्ट सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए कार्यकारी कमाण्डैन्ट श्री एस एस संधू द्वितीय कमाण्ड के प्रेरक नेतृत्व में सीसुबल की टुकड़ी ने भारी फायरिंग के बीच एक खूंखार आतंकवादी को मार गिराया तथा दो अन्य को आत्मसमपर्ण के लिए बाध्य कर दिया । इनसे प्राप्त जानकारी के आधार पर तीन अन्य खतरनाक आतंकवादी दबोचने में सफलता मिली। अद्वितीय कर्तव्यनिष्ठा का आदर्श स्थापित करने वाले श्री संधू को वीरता के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक प्रदान किया गया ।

11 ईरला नं0 : 29777
नाम : श्री रण सिंह यादव
रैंक : द्वितीय कमाण्ड अधिकारी
यूनिट : 109 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

22 मई 1999 को आसाम के बरपेटा जिले में खतरनाक उग्रवादियों से सशस्त्र संघर्ष में अदम्य साहस और पराक्रम से लड़ते हुए श्री रणसिंह यादव द्वितीय कमाण्ड अधिकारी वीरगति को प्राप्त हुए। सर्वस्व न्यौछावर कर देने वाले श्री रणसिंह यादव को वीरता के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक (मरोणपरान्त) से सम्मानित किया गया ।

12 इरला नं0 –

नाम– माधो सिंह

रैंक – उप कमांडेण्ट

यूनिट– 07 बटालियन सीसुबल

जे0बी0सी0 अस्पताल, श्रीनगर के नजदीक एक कुख्यात आतंकवादी, जो घेरा तोड़ने की कोशिश कर रहा था, को 14 दिसम्बर 2003 को जान जोखिम में डालकर श्री माधो सिंह, उप कमांडेण्ट (तब सहायक कमांडेण्ट) ने नजदीकी लड़ाई में गिरफ्तार कर उत्कृष्ट वीरता और निडरता का आदर्श स्थापित किया । इस सफलता के लिए पराक्रमी श्री माधो सिंह को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान किया गया ।

13 इरला नं0–

नाम– श्री सुभाष चन्द्र शर्मा

रैंक – उप कमांडेण्ट

यूनिट– 07 बटालियन सी0सु0बल

बुलबुलकर क्षेत्र में 19 दिसम्बर 1995 को आतंकवादियों से मुठभेड़ में श्री सुभाष चन्द्र शर्मा, उप कमांडेण्ट ने अपनी जान जोखिम में डाल असीम षौर्य का प्रदर्षन करते हुए नजदीकी लड़ाई में तीन खूंखार आतंकवादियों का सफाया कर दिया । श्री सुभाष चन्द्र षर्मा को इस सफलता पर वीरता के लिए पुलिस पदक से अलंकृत किया गया ।

14 इरला नं0–

नाम– श्री वी पी षुक्ला

रैंक – उप कमांडेण्ट (संचार)

यूनिट– सेक्टर मुख्यालय फिरोजपुर

19 अगस्त 2001 को उधमपुर के खलिफनार क्षेत्र में श्री व्ही पी शुक्ला, सहायक कमांडेण्ट ने एक मुठभेड़ में अपने प्राणों को दांव पर लगाकर तीन खूंखार आतंकवादियों को मार गिराया । असीम शौर्य का आदर्श स्थापित करने वाले श्री व्ही पी शुक्ला को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया ।

15 इरला नं0 –

नाम– श्री एच के यादव

रैंक – उप कमांडेण्ट

यूनिट–43 बटालियन सीसुबल

आयकर इमारत , श्रीनगर में 07 जनवरी 2005 को आतंकवादियों ने आत्मघाती हमले की कोशिश की जिसे असीम षौर्य का प्रदर्शन करते हुए श्री एच के यादव, उप कमांडेण्ट ने अपनी जान की परवाह न करते हुए विफल कर दिया । उत्कृष्ट कर्तव्यपरायणता का आदर्ष स्थापित करने वाले श्री एच के यादव को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान किया गया ।

16 नाम : श्री बी आर चौधरी

रेंक : उप कमाण्डैंट

यूनिट : 43 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

05 अक्तूबर 1995 को सोपोर के नौपुरा गांव में पुख्ता सूचना के आधार पर अपनी जान की परवाह न करते हुए श्री बी आर चौधरी उप कमाण्डैंट ने एक आतंकवादी को गुत्थम गुत्था की लड़ाई में गिरफ्तार किया। अपने साहस के लिए श्री बी आर चौधरी उप कमाण्डैंट को वीरता के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया ।

17 नाम : श्री एस एस रावत
रैंक : उप कमाण्डैंट
यूनिट : 99 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

कोहिमा के चिमखुमा इलाके में 13 अगस्त 1974 को सीसुबल पार्टी ने श्री एस एस रावत उप कमाण्डैंट के प्रेरक नेतृत्व में 06 बटालियन नागा आर्मी कैंप पर रेड करते हुए कैंप को नेस्तानाबूद कर दिया। अपने प्राणों की बाजी लगाने वाले श्री एस एस रावत को बहादुरी के लिए पुलिस पदक प्रदान किया गया ।

18 ईरला नं0 : 664
नाम : श्री आर एम शर्मा
रैंक : उप कमाण्डैंट
यूनिट : 99 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

13 अगस्त 1974 को कोहिमा के चिमखुमा इलाके में स्थित 06 बटालियन नागा आर्मी कैंप पर सीसुबल के रेड अभियान का नेतृत्व करते हुए श्री आर एम शर्मा उप कमाण्डैंट ने भारी मात्रा में असला–बारुद जब्त किया। अपनी जान जोखिम में डालकर दुर्दान्त आतंकवादियों को परास्त करने वाले श्री आर एम शर्मा को वीरता के लिए पुलिस पदक दिया गया।

पुलिस पदक

19 ईरला नं0 : .....
नाम : श्री जी एस भोमिया
पद : उप कमाण्डैंट
यूनिटः 43 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

भारत पाकिस्तान के बीच 1971 के युद्व के दौरान वास्तविक नियंत्रण रेखा जम्मू कश्मीर में तैनात 43 बटालियन ने भारी फायरिंग और बमवर्षा के बीच सभी 26 पोस्ट को सफलता पूर्वक नियंत्रण में रखा । युद्व के दौरान अदम्य साहस और प्रेरक नेतृत्व प्रदान करने के लिए श्री जी एस भोमिया उप कमाण्डैंट को वीरता के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया ।

20 ईरला न0 :– 10384985

नाम– श्री सुधीर कुमार

रैंक – सहायक कमांडेण्ट

यूनिट–71 बटालियन सीसुबल

20 जनवरी 2005 को डरबगाम गांव में आतंकवादी मुठभेड़ में श्री सुधीर कुमार, सहायक कमांडेण्ट ने अपनी जान को जोखिम में डालकर नजदीकी लड़ाई में एक कुख्यात आतंकवादी को मार गिराया और अद्वितीय कर्तव्यनिष्ठा का आदर्श स्थापित किया । इस पराक्रम के लिए श्री सुधीर कुमार को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान किया गया ।

21 इरला नं0–

नाम– श्री पी आर शर्मा

रैंक – सहायक कमांडेण्ट

यूनिट– 08 बटालियन सीसुबल

14 मार्च 2002 को पुलवामा के नेहामा गांव में विशिष्ट सूचना के आधार पर खोजबीन अभियान के दौरान आतंकवादियों ने सीसुबल पार्टी पर भारी फायरिंग शुरू कर दी । श्री पी आर शर्मा सहायक कमांडेण्ट ने उत्कृष्ट वीरता और अदम्य साहस का परिचय देते हुए गुत्थम – गुत्था की लडाई में दो खूंखार आतंकवादियों को मार गिराया । आपको अद्भुत पराक्रम के लिए वीरता का पुलिस पदक प्रदान कर अलंकृत किया गया ।

22 नं0 : 67010068
नाम : जतिंदर सिंह मेहता
रैंक : सूबेदार (इन्सपैक्टर)
यूनिट : 41 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

12 अक्तूबर 1986 एक दुर्दान्त वारदात को अंजाम देने के बाद छिपे हुए आतंकवादियों पर हमला बोलते हुए सूबेदार जतिंदर सिंह मेहता ने एक दुर्दान्त आतंकवादी को मार गिराया और 02 पिस्टल 01 रिवाल्वर तथा 13 जिंदा कारतूस बरामद किए । असीम साहस का उदाहरण पेश करने वाले सूबेदार जतिंदर सिंह मेहता को वीरता के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया ।

23 नं0 : 66771516
नाम : बालकराम
रैंक : सूबेदार (जी)
यूनिट : 43 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

21 जुलाई 1995 को सूबेदार (जी) बालकराम द्वारा दी गई पुख्ता सूचना के आधार पर नसीराबाद कालोनी सोपोर से हिजबुल मुजाहिदीन के एक आतंकवादी को गिरफ्तार कर लिया जाता है । अपनी कर्तव्यपरायणता के लिए सूबेदार (जी) बालकराम को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान किया गया ।

24 न0 :– 920010415

नाम– राज कुमार

रैंक – इंस्पेक्टर

यूनिट– 20 बटालियन सीसुबल

बांदीपुर में विषिष्ट सूचना के आधार पर 17 अगस्त 2001 को भीड़ भरे इलाके में इंस्पेक्टर राजकुमार ने अपनी जान की परवाह न करते हुए दूरदर्षिता एवं पूरी समझबूझ से एक खतरनाक आतंकवादी को गिरफ्तार किया । अपनी वीरतापूर्ण उपलब्धि पर इंस्पेक्टर राजकुमार को वीरता के लिए पुलिस पदक से नवाजा गया

25 न0 :– 75003101

नाम– जे आर तिर्की

रैंक – सब इंस्पेक्टर

यूनिट–71 बटालियन सीसुबल

20 जनवरी 2005 को डरबगाम गांव में आतंकवादियों के खिलाफ मुहिम में अपनी जान दांव पर लगाकर उत्कृष्ट वीरता और निडरता से गुत्थम –गुत्था की लड़ाई में एक खतरनाक आतंकवादी को मार गिराने वाले सब इंस्पेक्टर जे आर तिर्की को वीरता के लिए पुलिस पदक दिया गया ।

26 नं0 : .....

नाम : मोहम्मद फिरदौस खान

रैंक : हैड कांस्टेवल

यूनिट : 43 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

27 अगस्त 2003 को ग्रीन –वे होटल में छिपे खूंखार आतंकवादियो के खिलाफ चल रही मुहिम में अपने कमाण्डैंट श्री एम एस राठौड को निशाना बना कर चलाई गई गोली के सामने खुद को खड़ा कर हैड कांस्टेबल मो0 फिरदौस खान ने अपने प्राणों की आहूति चढा दी । अद्वितीय बलिदान और अनूठी कर्तव्यपरायणता का आदर्श स्थापित करने वाले हैड कांस्टेबल मो0 फिरदौस खान को वीरता के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक (मरोणपरान्त) से अलंकृत किया गया ।

27 नं0 : 67833053
नाम : मटवार सिंह
रैंक : हैड कांस्टेवल
यूनिट : 99 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

नागा आर्मी की 06 बटालियन के कैंप पर 13 अगस्त 1974 को सीसुबल की घातक कार्रवाई में अपनी जान जोखिम के डाल कैंप को बर्बाद करने वाले हैड कांस्टेबल मटवार सिंह को असीम शौर्य व निडरता के लिए बहादुरी का पुलिस पदक से सम्मानित किया गया ।

28 नं0 : 73990076
नाम : मेखुनो अनगामी
रैंक : हैड कांस्टेवल
यूनिट : 99 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

13 अगस्त 1974 को कोहिमा के चिमखुमा इलाके में 06 बटालियन नागा आर्मी कैंप को रेड कर बर्बाद करने के दौरान असीम साहस और बहादुरी का प्रदर्शन करने वाले हैड कांस्टेबल मेखुनो अनगामी को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान किया गया ।

29 नं0 : .....
नाम : राजपाल सिंह
रैंक : हैड कांस्टेवल
यूनिट : 41 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

लुधियाना खम्मों गांव में 29 अक्तूबर 1990 को कार्रवाई के दौरान आतंकवादियों के खिलाफ अपनी जान पर खेलकर हैड कांस्टेबल राजपाल सिंह काफी पीछा करने के बाद पांच खूंखार आतंकवादियों को मारने के साथ पांच मोटर साईकिल सहित हथियार जब्त कर लेते है । अपने असीम शौर्य एवं कर्तव्यनिष्ठा के लिए हैड कांस्टेबल राजपाल सिंह को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान किया गया ।

30 न0 :– 87332346

नाम– कुलदीप सिहं

रैंक – हैड कांस्टेबल

यूनिट– 80 बटालियन सीसुबल

17 अक्टूबर 2003 को एम ए रोड श्रीनगर में आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान अपनी जान जोखिम में डाल अदम्य साहस और निडरता के साथ एक दुर्दान्त आतंकवादी को गुत्थम–गुत्था की लड़ाई में मार गिराने वाले हैडकांस्टेबल कुलदीप सिंह को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान किया गया ।

31 न0 :– 97199102

नाम– स्व0 मोहम्मद सिकन्दर खान

रैंक – हैड कांस्टेबल

07 जून 2005, को आयकर इमारत , श्रीनगर में आतंकवादियों से मुठभेड़ में असीम शौर्य का प्रदर्षन करते हुए हैडकांस्टेबल स्व0 मोहम्मद सिकन्दर खान ने दो कुख्यात आतंकवादियों को गुत्थम–गुत्था की लड़ाई में मारकर आत्मघाती हमले को नाकाम कर दिया । इस साहसी प्रहरी को वीरता के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया ।

32 न0 :– 98003412

नाम– असलम चीची

रैंक – हैडकांस्टेबल

यूनिट– 43 बटालियन सीसुबल

07 जनवरी 2005 को आयकर इमारत , श्रीनगर में आतंकवादियों से मुठभेड़ के दौरान अनूठी निडरता और असीम षौर्य का प्रदर्शन करते हुए खतरनाक आतंकवादियों से लोहा लेने वाले पराक्रमी हैडकांस्टेबल असलम चीची को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान किया गया ।

33 न0 :– 81003650

नाम– आर पी सिंह

रैंक – हैड कांस्टेबल

यूनिट– 43 बटालियन सी0सु0बल

05 अक्टूबर 1995, नौपुरा गांव सोपोर में हैड कांस्टेबल आर पी सिंह ने असीम शौर्य का प्रदर्षन करते हुए अपनी जान पर खेल कर गुत्थम –गुत्था की लड़ाई में एक दुर्दान्त आतंकवादी को गिरफ्तार किया । हैड कांस्टेबल आर पी सिंह को इस साहसी कार्य पर वीरता के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया ।

34 नं0 : .....
नाम : सतनाम सिंह
रैंक : हैड कांस्टेवल
यूनिट : 41 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

1971 के भारत–पाकिस्तान युद्व के दौरान बांदीपुर सैक्टर में तैनात हैड कांस्टेबल सतनाम सिंह ने 81 एमएम मोर्टार का अचूक फायर कराकर दुश्मन के बारे में जानकारी लेने गई गश्त पार्टी की मदद की। अपने दूरदर्शितापूर्ण निर्णय से दुश्मन को धूल चटाने वाले सूरवीर हैड कांस्टेबल सतनाम सिंह को वीरता के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया ।

35 नं0 : 6643339
नाम : अमरीक सिंह
रैंक : नायक
यूनिटः 43 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

दुश्मन की भारी बमवर्षा के बीच भी 1971 के युद्व के दौरान वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तैनात नायक अमरीक सिंह ने अपने प्राणों की बाजी लगाकर अपनी पोस्ट की रक्षा की। अद्वितीय शौर्य की मिसाल पेश करने वाले नायक अमरीक सिंह को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान किया गया ।

36 नाम : जगजीत सिंह
रैंक : नायक
यूनिट : 08 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

11 जुलाई 1988 जीटी रोड टांडा उरमुर के निकट एक मुठभेड़ में नायक जगजीत सिंह ने अपनी जान की परवाह न करते हुए दो खूंखार आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने का आदेश देते है । आतंकवादी जबाव में फायर करते हुए भागने की कोशिश करते है परन्तु अपने अचूक निशाने से नायक जगजीत सिंह एक दुर्दान्त आतंकवादी को मार गिराते हैं । कर्तव्यपरायण सीमा प्रहरी नायक जगजीत सिंह को वीरता के लिए पुलिस पदक से अलंकृत किया गया ।

37 नं0 : 71032115
नाम : सुरेन्दर प्रसाद
रैंक : नायक
यूनिट : 03 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

11 अक्तूबर 1990 माहलम गांव फिरोजपुर में आतंकवादियों से मुठभेड़ के दौरान अपने जीवन को दांव पर लगाकर पक्के मकान से भागने की कोशिश कर रहे कुख्यात आतंकवादी को नजदीकी लड़ाई में मार गिराने वाले बहादुर नायक सुरेन्दर प्रसाद को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान किया गया ।

38 नं0 : 68433051
नाम : भजन सिंह
रैंक : नायक
यूनिट : 43 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

1971 में भारत पाकिस्तान युद्व के दौरान वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तैनात नायक भजन सिंह ने शत्रु की भारी फायरिंग के बीच भी बहादुरी से लडते हुए अपनी पोस्ट की रक्षा की। अपनी अनूठी कर्तव्यनिष्ठा के लिए नायक भजन सिंह को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान किया गया ।

39 नं0 : 73990280
नाम : जेवितो जिवा
रैंक : नायक
यूनिट : 99 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

13 अगस्त 1974 को कोहिमा के चिमखुमा में 06 बटालियन नागा आर्मी कैंप को नेस्तानाबूद करने में अपनी जान को जोखिम में डाल एक आदर्श स्थापित करने वाले नायक जेवितो जिवा को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान किया गया ।

40 नं0 : 857770709
नाम : डी डी बोरो
रैंक : लांस नायक
यूनिट : 71 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

पुलवामा के गांव साजीवोतुर में 27 अगस्त 2004 को 71 बटालियन व 08 बटालियन के संयुक्त अभियान में आतंकवादियों से मुठभेड़ में बुरी तरह घायल लांस नायक डी डी बोरो ने अद्वितीय शौर्य का परिचय देते हुए चपलता से नजदीकी लड़ाई में एक आतंकवादी को मार गिराया। कर्तव्यपरायण बोरो को वीरता के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक से सम्मानित किया गया ।

41 नं0 : 90298425
नाम : दलजीत सिंह
रैंक : लांस नायक
यूनिट : 43 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

जम्मू कश्मीर के सोपोर इलाके के गांव आदिपुरा में आतंकवादियों के होने की पुख्ता खबर पर 03 अगस्त 1995 को कार्रवाई करने बढ़ रही टुकड़ी पर आतंकवादी ने अंधाधुंध फायरिंग शुरु कर दी । कार्रवाई में असीम साहस का परिचय देते हुए लांस नायक दलजीत सिंह ने नजदीकी लडाई में एक दुर्दान्त आतंकवादी को गिरफ्तार किया। इस सूरवीर को वीरता के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक से अलंकृत किया गया ।

42 नं0 : 90191078
नाम : कन्हैयालाल
रैंक : लांसनायक
यूनिट : 43 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

जम्मू कश्मीर के सोपोर इलाके के गांव आदिपुरा में आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान भारी फायरिंग के बीच अपनी जान की परवाह किए बिना गुत्थम–गुत्था की लड़ाई में लांस नायक कन्हैया लाल ने एक खूंखार आतंकवादी, जो हिजबुल मुजाहिदीन का कमांडर था, को दबोच लिया । इस सफलता पर लांस नायक कन्हैया लाल को बहादुरी के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक से सम्मानित किया गया ।

43 नं0 : .....
नाम : वेदप्रकाश
रैंक : कांस्टेबल
यूनिट : 07 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

18 अगस्त 1997 को श्रीनगर में आतंकवादियों के खिलाफ अदम्य साहस और निडरता की मिसाल पेश करते हुए कांस्टेबल वेदप्रकाश ने अंधाधुंध गोलीवारी की परवाह न करते हुए और बुरी तरह घायल होने के बावजूद कुख्यात आतंकवादियों को आत्मसमपर्ण के लिए बाध्य कर दिया । अपनी जान की बाजी लगाने वाले कांस्टेबल वेदप्रकाश को वीरता के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक से सम्मानित किया गया ।

वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक

44 नं0 : .....
नाम : मुकेश कुमार
रैंक : कांस्टेबल
यूनिट : 43 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

राजाताल पोस्ट इलाके में 15–16 मई 1986 की रात कांस्टेबल मुकेश कुमार ने अपने प्राणों की बाजी लगाकर घुसपैठ की बड़ी वारदात को विफल करते हुए 26 किलो हेरोइन एवं एक चीन निर्मित राइफल जब्त की। अदम्य साहसी और सजग कांस्टेबल मुकेश कुमार को वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक प्रदान किया गया ।

45 नं0 : 954552077
नाम : संजय कुमार
रैंक : कांस्टेबल
यूनिट : 20 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

25 अप्रैल 2003 को बांदीपुर सीसुबल कैम्प पर आत्मघाती हमले में मोर्चे पर तैनात साहसी प्रहरी कांस्टेबल संजय कुमार ने अपनी जान की परवाह किए बिना आतंकवादियों पर फायर करते हुए एक कुख्यात आतंकवादी को मार गिराया । इस मुठभेड़ में दो खतरनाक आतंकवादी मारे गए जबकि एक पराक्रमी सीमा प्रहरी शहीद हो गया । अदम्य साहस और उत्कृष्ट कर्तव्यनिष्ठा का आदर्श स्थापित करने वाले कांस्टेबल संजय कुमार को वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक प्रदान किया गया ।

46 नं0 : 90163041
नाम : एस प्रताप सिंघा
रैंक : कांस्टेबल
यूनिट : 71 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

17 जनवरी 2004 को खान मौहल्ला नारवा गांव पुलवामा में आतंकवादियों से मुठभेड़ में बुरी तरह घायल कांस्टेबल एस प्रताप सिंघा ने असीम शौर्य और बहादुरी से लड़ते हुए एक खूंखार आतंकवादी को मार गिराया और स्वयं शहीद हो गए । अपने प्राणों का बलिदान कर देने वाले पराक्रमी प्रहरी कांस्टेबल एस प्रताप सिंघा को वीरता के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक (मरोणपरान्त) से अलंकृत किया गया ।

47 नं0 : 886338356
नाम अवधेश सिंह
रैंक : कांस्टेबल
यूनिट : 153 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

पुख्ता खुफिया जानकारी के आधार पर 17 जनवरी 2005 को नियंत्रण रेखा पुंछ पर अम्बुश में कांस्टेबल अवधेश सिंह संदेहास्पद हरकत को ललकारते है । तस्करी की कोशिश कर रहे आतंकवादी अंधाधुंध फायर करते है। कांस्टेबल अवधेश सिंह व उनके सथी जबाबी फायर में 05 खूंखार आतंकवादियों को मार गिराते है। असीम शौर्य का प्रदर्शन करने वाले कांस्टेबल अवधेश सिंह को वीरता के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक प्रदान किया गया ।

48 नं0 : 94006516
नाम : स्व. अदित कुमार दास
रैंक : कांस्टेबल
यूनिट : 43 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

श्रीनगर में होटल बॉम्बे गुजरात अखाडा बिल्डिंग के पास 29 जुलाई 2005 को आत्मघाती हमले के दौरान कांस्टेबल अदित कुमार दास ने अद्वितीय शौर्य का परिचय देते हुए चपलता से नजदीकी लड़ाई में 2 दुर्दान्त आतंकवादियों को मार गिराया। अदम्य साहस और पराक्रम से लड़ते हुए यह साहसी प्रहरी शहीद हो गया। अद्वितीय शौर्य की साल पेश करने वाले कांस्टेबल अदित कुमार दास को वीरता के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक प्रदान किया गया ।

49 नं0 : 010091010
नाम : अरवान सिंह
रैंक : कांस्टेबल
यूनिट : 153 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

पुख्ता खुफिया जानकारी के आधार पर 17 जनवरी 2005 को नियंत्रण रेखा पुंछ पर अम्बुश में कांस्टेबल अरवान सिंह अपनी जान जोखिम में डालकर फायर कर रहे खूंखार आतंकवादियों पर अचूक निशाना साधते हुए तीन आतंकवादियों को मार गिराते हैं । अदम्य साहस का परिचय देने वाले कांस्टेबल अरवान सिंह को वीरता के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक से सम्मानित किया गया ।

50 नं0 : 7411060
नाम : तारा सिंह
रैंक : कांस्टेबल
यूनिट : 41 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

14 दिसम्बर 1971 बुगिना बल्ज जम्मू कश्मीर में सीसुबल को शत्रु की रिंग कंटूर पोस्ट पर रेड करने का जिम्मा सौंपा गया। अभियान में अपने अदम्य साहस और उच्च समझबूझ का परिचय देते हुए दुश्मन को परास्त करने में अहम् भूमिका निभाने वाले कांस्टेबल तारा सिंह को पुलिस पदक से अलंकृत किया गया ।

51 नं0 : 66411467
नाम : परगट सिंह
रैंक : कांस्टेबल
यूनिट : 41 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

जम्मू कश्मीर में दुश्मन की पोस्ट रिंग कंटूर पर 14 दिसम्बर 1971 को किए सीसुबल के हमले में अपनी जान जोखिम में डालकर अनूठी वीरता का परिचय देने वाले कांस्टेबल परगट सिंह को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया ।

52 न0 :–

नाम– धर्मपाल

रैंक – कांस्टेबल

यूनिट– 71 बटालियन सी0सु0बल

नियंत्रण रेखा पर खोरबान नाला पर 06 अक्टूबर 1998 को आतंकवादियों से हुई सीसुबल पार्टी की मुठभेड़ में अपनी जान जोखिम में डालकर भारी गोलीबारी के बीच कांस्टेबल धर्मपाल ने लगातार फायर करते हुए पांच खूंखार आतंकवादियों को मारने में सफलता प्राप्त की । अदम्य साहस और बहादुरी के लिए कांस्टेबल धर्मपाल को वीरता के लिए पुलिस पदक से नवाजा गया ।

53 न0 :– 97199176

नाम– जावेद अहमद मीर

रैंक – कांस्टेबल

यूनिट– 08 बटालियन सीसुबल

पुलवामा के साम्बुर गांव में 01 मई 2002 को घर में छुपे आतंवादियों के खिलाफ अपनी जान जोखिम में डाल कांस्टेबल जावेद अहमद मीर ने दो दुर्दान्त आतंकवादियों को मार गिराया । असीम शौर्य और पराक्रम का प्रदर्षन करने वाले कांस्टेबल जावेद अहमद मीर को वीरता के लिए पुलिस पदक दिया गया ।

54 न0 :–

नाम– स्व0 मोहम्मद सिंकदर खान

रैंक – कांस्टेबल

यूनिट– 43 बटालियन सीसुबल

27 अगस्त 2003 को ग्रीन– वे होटल में छिपे आतंकवादियों के विरूद्ध मुहिम में अद्भुत पराक्रम का प्रदर्षन करते हुए कुख्यात आतंकवादियों का सफाया करने में अपने प्राणों की बलि चढ़ा दी । पराक्रमी और बलिदानी कांस्टेबल स्व0 मोहम्मद सिकंदर खान को वीरता के लिए पुलिस पदक दिया गया ।

55 न0 :–

नाम– अमृत हजांग

रैंक – कांस्टेबल

यूनिट– 43 बटालियन सीसुबल

27 अगस्त 2003 को ग्रीन– वे होटल में खूंखार आतंकवादियों का सफाया करने में अपनी जान की बाजी लगाकर पराक्रम एवं शौर्य की मिसाल स्थापित करने वाले कांस्टेबल अमृत हजांग को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान किया गया ।

56 न0 :– 98199341

नाम– फारूक अहमद मीर

रैंक – कांस्टेबल

यूनिट–43 बटालियन सीसुबल

07 जनवरी 2005, को श्रीनगर की आयकर इमारत पर आत्मघाती हमले को विफल करने में उत्कृष्ट साहस और कर्तव्यनिष्ठा का आदर्श स्थापित करने वाले कांस्टेबल फारूख अहमद मीर को वीरता के लिए पुलिस पदक दिया गया ।

57 न0 :– 99121533

नाम– जगीर सिंह

रैंक – कांस्टेबल

यूनिट–43 बटालियन सीसुबल

अपनी जान की परवाह किए बिना कांस्टेबल जगीर सिंह ने 07 जनवरी 2005 को आयकर इमारत, श्रीनगर पर हुए आत्मघाती हमले में दो दुर्दान्त आतंकवादियों का सफाया करते हुए हमले को विफल करने में अहम भूमिका निभाई । उन्हें वीरता के लिए पुलिस पदक से अलंकृत किया गया ।

58 न0 :– 97190149

नाम– बषीर अहमद

रैंक – कांस्टेबल

आयकर इमारत, श्रीनगर पर 07 जनवरी 2005 को हुए आतंकवादी हमले को विफल करने में अदम्य साहस और अनूठी वीरता की मिसाल पेष करने वाले कांस्टेबल बशीर अहमद को वीरता के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया ।

59 न0 :– 86007169

नाम– तोम्खा सिहं

रैंक – कांस्टेबल

यूनिट–71 बटालियन सीसुबल

डरबगाम गांव में 20 जनवरी 2005 को एक खूंखार आतंकवादी के खिलाफ मुठभेड़ में अपनी जान की बाजी लगाकर असीम शौर्य का प्रदर्शन करने वाले कांस्टेबल तोम्खा सिहं को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया ।

60 न0 :– 88003663

नाम– अफजल खान

रैंक – कांस्टेबल

यूनिट–71 बटालियन सीसुबल

डरबगाम, गांव में 20 जनवरी 2005 को आतंकवादी मुठभेड़ में कांस्टेबल अफजल खान ने अपने प्राणों को दांव पर लगाकर दुर्दान्त आतंकवादी को मार गिराया । असीम शौर्य और पराक्रम का परिचय देने वाले कांस्टेबल अफजल खान को वीरता के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया ।

61 न0 :– 90009847

नाम– एन कन्नान

रैंक – कांस्टेबल

यूनिट–71 बटालियन सीसुबल

अरावल, गांव पुलवामा में 23 मई 2005 को छुपे हुए आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई में असीम साहस और उत्कृष्ट पराक्रम दिखाते हुए अपनी जान की परवाह किए बिना एक खूंखार आतंकवादी को मार गिराने वाले कांस्टेबल एन कन्नान को बहादुरी के लिए पुलिस पदक से अलंकृत किया गया ।

62 न0 :– 02009348

नाम– जय प्रकाष

रैंक – कांस्टेबल

यूनिट–71 बटालियन सीसुबल

पुलवामा के अरावल, गांव में 23 मई 2005 को अपनी जान खतरे में डालकर उत्कृष्ट वीरता का प्रदर्षन करते हुए कांस्टेबल जय प्रकाष ने एक खतरनाक आतंकवादी को मार गिराया । असीम शौर्य और पराक्रम के लिए कांस्टेबल जय प्रकाष को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान किया गया ।

63 न0 :– 90109719

नाम– मलकीत सिंह

रैंक – कांस्टेबल

यूनिट–43 बटालियन सीसुबल

29 जुलाई 2005, श्रीनगर की बोम्बे गुजरात होटल में आतंकवादियों के आत्मघाती हमले को नाकाम करने में अपने जीवन को दांव पर लगाकर असीम शौर्य और निडरता का उदाहरण प्रस्तुत करने वाले कांस्टेबल मलकीत सिंह को बहादुरी के लिए पुलिस पदक से अलंकृत किया गया ।

64 नं0 : 97199004
नाम : मोहम्मद इकबाल पायर
रैंक : कांस्टेबल
यूनिट : 71 बटालियन सीमा सुरक्षा बल

पुलवामा के खान मौहल्ला नारवा गॉव में 17 जनवरी 2004 को सशस्त्र संघर्ष में अपने प्राणों की बाजी लगाकर अदभुत वीरता का प्रदर्शन करते हुए कांस्टेबल इकबाल पायर ने नजदीकी लड़ाई में एक आतंकवादी को मार गिराया। असीम शौर्य और पराक्रम से लड़ रहे कांस्टेबल इकबाल पायर गोली लगने से वीरगति को प्राप्त हुए और इस सर्वोच्च बलिदान के लिए उन्हें बहादुरी के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक प्रदान किया गया ।